	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर **Indian Institute of Technology Bhubaneswar**

प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 मनाया

जागरूकता पहल और विशेषज्ञ वार्ता के माध्यम से "सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी" पर प्रकाश डाला गया

भुवनेश्वर, 1 नवंबर 2025: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर 27 अक्टूबर 2025 से सतर्कता जागरूकता सप्ताह मना रहा है, जो 2 नवंबर 2025 को समाप्त होगा। यह सप्ताह पारदर्शिता, नैतिक आचरण और भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूकता को बढ़ावा देने के राष्ट्रव्यापी अभियान के अनुरूप है। इस वर्ष के आयोजन का विषय "सतर्कता: हमारी साझा ज़िम्मेदारी" है।

इस समारोह की शुरुआत संस्थान के संकाय, कर्मचारियों और छात्रों द्वारा ली गई सत्यनिष्ठा शपथ के साथ हुई, जिसमें सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी, जवाबदेही और सत्यनिष्ठा बनाए रखने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई।

सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, ओडिशा के पूर्व पुलिस महानिदेशक, श्री सुनील कुमार बंसल ने "सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी" शीर्षक से एक विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि सतर्कता ईमानदारी और अपने आदर्शों पर अडिग रहने के साहस में निहित है। उन्होंने कहा, "सतर्कता केवल एक कानूनी ढांचा नहीं है; यह मूल रूप से सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और दृढ़ता के प्रति प्रतिबद्धता है।" प्रलोभन के प्रति मानवीय संवेदनशीलता पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने ऐसी प्रणालियों की आवश्यकता पर बल दिया जो भ्रष्टाचार के संभावित अवसरों को कम करें। व्यापक सामाजिक प्रभाव पर चर्चा करते हुए, श्री बंसल ने बताया कि कैसे ईमानदारी की कमी सार्वजनिक स्वास्थ्य और सड़क सुरक्षा से लेकर विदेशी निवेश और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था तक के क्षेत्रों को प्रभावित करती है, और भ्रष्टाचार जीडीपी को महत्वपूर्ण नुकसान पहुँचाता है। उन्होंने जिम्मेदारी के विभिन्न स्तरों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया और कहा कि जहाँ सतर्कता साझा है, वहीं निर्णयकर्ताओं पर ईमानदारी बनाए रखने का एक बड़ा नैतिक दायित्व है।

इस अवसर पर बोलते हुए, आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. श्रीपाद कर्मालकर ने एक पारदर्शी और ज़िम्मेदार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि नैतिक शासन की संस्कृति का निर्माण न केवल संगठनात्मक उत्कृष्टता के लिए, बल्कि राष्ट्र निर्माण के लिए भी आवश्यक है।

कार्यक्रम का समन्वयन आईआईटी भुवनेश्वर के रजिस्ट्रार श्री बामदेव आचार्य ने किया। लगभग 150 संकाय सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया और संवाद में भाग लिया। पूरे सप्ताह संस्थान ने जागरूकता अभियानों और चर्चाओं के माध्यम से अपने समुदाय को शामिल किया, जिसमें जवाबदेही, नैतिक निर्णय लेने और भ्रष्टाचार के खिलाफ राष्ट्रीय लड़ाई को मजबूत करने में व्यक्तियों की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।